E-ISSN: 2583-9667
Indexed Journal
Peer Reviewed Journal
https://multiresearchjournal.theviews.in

Received: 09-06-2023
Accepted: 27-08-2023

INTERNATIONAL JOURNAL OF ADVANCE RESEARCH IN MULTIDISCIPLINARY

Volume 1; Issue 1; 2023; Page No. 530-533

बच्चों की शिक्षा में माता-पिता की भागीदारी

[1]Rubi Kumari and [2]Dr. MS Mishra

[1]Research Scholar, Madhyanchal Professional University, Bhopal, Madhya Pradesh, India
[2]Faculty of Arts, Department of Social Science and Humanities, Madhyanchal Professional University, Bhopal, Madhya Pradesh, India

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.13189665

Corresponding Author: Rubi Kumari

सारांश

माता-पिता की भागीदारी एक सामाजिक-मनोवैज्ञानिक अवधारणा है जिसे कई अध्ययनों में कई तरीकों से अवधारणाबद्ध किया गया है। माता-पिता की भागीदारी एक बहुआयामी संरचना है जिसमें कई व्यवहार और गतिविधियाँ शामिल हैं। एकल वैचारिक ढांचे में माता-पिता की भागीदारी शब्द का वर्णन करना बहुत कठिन है। युवा यह स्पष्ट करते हैं कि वे नहीं चाहते कि उनके पालन-पोषण और स्कूली शिक्षा में उनके माता-पिता वही बड़ी भूमिका निभाएँ जो वे पहले निभाते थे। कई अभिभावक-छात्र गतिविधियाँ जो बच्चों को प्राथमिक विद्यालय में स्वीकार्य लगती हैं, जैसे कक्षाओं के लिए पंजीकरण करना, स्कूल के कार्यक्रमों में भाग लेना, या स्कूल से आना-जाना, मध्य और उच्च विद्यालय के छात्रों द्वारा केवल छात्र-छात्र कार्यक्रमों के रूप में देखा जाता है।

मूलशब्द: माता-पिता की भागीदारी, हाई स्कूल, बाधाएं, घटना विज्ञान

प्रस्तावना

माता-पिता की भागीदारी एक सामाजिक-मनोवैज्ञानिक अवधारणा है जिसे कई अध्ययनों में कई तरीकों से अवधारणाबद्ध किया गया है। एकल वैचारिक ढांचे में माता-पिता की भागीदारी शब्द का वर्णन करना बहुत कठिन है। माता-पिता, शिक्षकों, प्रशासकों और यहां तक कि बच्चों के कई दृष्टिकोण माता-पिता की भागीदारी को परिभाषित करना कठिन बनाते हैं। साहित्य के बढ़ते स्वरूप से पता चलता है कि माता-पिता की भागीदारी की कल्पना एकात्मक घटना के रूप में नहीं की जा सकती है। विभिन्न संस्कृतियों के साथ-साथ विभिन्न परिप्रेक्ष्यों में शोधकर्ताओं ने माता-पिता की भागीदारी की अवधारणा को कई तरीकों से परिभाषित किया है। माता-पिता की भागीदारी को माता-पिता और बच्चे के बीच किसी भी समर्थन और बातचीत के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो बच्चे के विकास को बढ़ाता है। होलोवे, यामामोटो, सुजुकी, और माइंडनिच (2008) ने माता-पिता की भागीदारी को गतिविधि के रूप में परिभाषित किया है, जिसमें व्यवहार की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जिसमें घर-आधारित व्यवहारों की शुरुआत जैसे निगरानी, होमवर्क में मदद और घर के माहौल में स्कूल तक संज्ञानात्मक उत्तेजना शामिल है। आधारित गतिविधियाँ जैसे स्कूल के कार्यक्रमों में भाग लेना और शिक्षकों के साथ संवाद करना। घर की सेटिंग में माता-पिता की भागीदारी को शेल्डन (2002) द्वारा "स्कूल से संबंधित या अन्य सीखने की गतिविधियों पर माता-पिता-बच्चे की बातचीत के रूप में परिभाषित किया गया है और यह उसके या उसके बच्चे की शिक्षा में माता-पिता के संसाधनों के प्रत्यक्ष निवेश का प्रतिनिधित्व करता है" (पृष्ठ 302)।

माता-पिता की भागीदारी अनुसंधान के अग्रदूतों में से एक एपस्टीन (2001) हैं जिन्होंने माता-पिता की भागीदारी की एक रूपरेखा प्रस्तावित की। इस ढांचे ने माता-पिता की भागीदारी का एक व्यापक दृष्टिकोण सुझाया और कई शोधों में एक वैचारिक ढांचे के रूप में उपयोग किया गया। माता-पिता की भागीदारी के अपने ढांचे में, वह विभिन्न प्रकार की भागीदारी गतिविधियों को व्यापक रूप से वर्गीकृत करती है जो मुख्य रूप से घर, स्कूल और समाज के बीच सहयोग पर केंद्रित है यानी टाइप 1- पालन-पोषण, टाइप 2- संचार, टाइप 3- स्वयंसेवा, टाइप 4- सीखना घर, टाइप 5- निर्णय लेना, और टाइप 6- सहयोग करना।

साहित्य समीक्षा

कांग और मूर (2011) चीनी किशोरों पर पालन-पोषण शैली के पश्चिमी ढांचे को लागू किया और पालन-पोषण शैली और किशोरों के शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंधों की जांच की। अध्ययन का नमूना 122, 8वीं कक्षा के छात्र (औसत आयु =14.7 वर्ष), उत्तरी चीन था। परिणाम से पता चला कि चीनी संदर्भ में तीन प्रकार की

पालन-पोषण शैलियाँ मौजूद थीं। कुल 84% माता-पिता को सत्तावादी, अधिनायकवादी और अनुमोदक के रूप में वर्गीकृत किया गया था, जबकि शेष (16%) माता-पिता को अविभाज्य के रूप में वर्गीकृत किया गया था। माताओं और छात्रों दोनों की रिपोर्टों के अनुसार, सत्तावादी माताओं वाले छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन आधिकारिक और अनुदार माताओं वाले छात्रों की तुलना में काफी अधिक था। किशोरों की रिपोर्ट के अनुसार, अनुज्ञाकारी माताओं वाले छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन अधिनायकवादी और सत्तावादी माताओं की तुलना में काफी कम था, जबकि प्रदर्शन के किसी भी उपाय पर पिता के पालन-पोषण का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इसके अलावा, किशोरों ने अपनी मां के पालन-पोषण को अपने पिता के पालन-पोषण की तुलना में अधिक आधिकारिक माना। माताएं खुद को पिता की तुलना में कम आधिकारिक मानती थीं, जबकि पिता खुद को अधिक अनुदार और सत्तावादी दोनों मानते थे।

बेशारत, अज़ीज़ी, और पौर्शरीफ़ी (2011)।) ईरानी किशोरों की पालन-पोषण शैली और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की जांच की गई। इस अध्ययन में तीन सौ पचहत्तर हाई स्कूल के छात्रों (191 लड़कियों और 180 लड़कों) के साथ उनके माता-पिता ने भाग लिया। परिणाम से पता चला कि मातृ सत्तावादी शैली किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि के साथ सकारात्मक रूप से जुड़ी हुई थी, जबकि मातृ सत्तावादी शैली किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि के साथ नकारात्मक रूप से जुड़ी हुई थी। अनुमेय पालन-पोषण शैली, साथ ही पैतृक आधिकारिक और अधिनायकवादी पालन-पोषण ने किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि के साथ कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं दिखाया।

उद्दीन (2011) माता-पिता की स्वीकृति और किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की जांच की गई। अध्ययन में भाग लेने वालों में ढाका, बांग्लादेश के 7वीं, 8वीं और 9वीं कक्षा के 300 छात्र थे। निष्कर्षों से पता चला कि माता-पिता की गर्मजोशी की स्वीकृति (मातृ और पितृ दोनों) किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि से महत्वपूर्ण और सकारात्मक रूप से संबंधित थी, जबकि माता-पिता की स्वीकृति के सभी तीन आयाम अर्थात् शत्रुता, उदासीनता और अविभाज्य अस्वीकृति, शैक्षणिक उपलब्धि से महत्वपूर्ण रूप से जुड़े नहीं थे।

न्यारको (2011) ने किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि पर माता-पिता की सत्ता के प्रभाव की जांच करने के लिए एक अध्ययन किया। नमूने में 239 (45.2% पुरुष, 54.8% महिला) वरिष्ठ हाई स्कूल छात्र, घाना शामिल थे। अध्ययन के नतीजे से पता चला कि माता और पिता दोनों की आधिकारिकता छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि से महत्वपूर्ण और सकारात्मक रूप से संबंधित थी और माता की तुलना में पिता की आधिकारिकता के मामले में रिश्ते की डिग्री अधिक पाई गई।.

देह्याडेगरी, याकूब, जुहारी, और तालिब (2012)ईरान में किशोरों के बीच पालन-पोषण की शैली और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध निर्धारित करने के लिए एक अध्ययन किया गया। नमूने में 15 से 18 वर्ष की आयु के 382 हाई स्कूल छात्र (251 महिला और 31 पुरुष) शामिल थे। पालन-पोषण शैली को बॉमरिंड (1991) के पालन-पोषण शैली पैमाने पर मापा गया था। अध्ययन के निष्कर्षों ने आधिकारिक पालन-पोषण शैली और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक संबंध और अनुज्ञेय पालन-पोषण शैली और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच एक महत्वपूर्ण नकारात्मक संबंध का सुझाव दिया। हालाँकि, अधिनायकवादी पालन-पोषण शैली और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं था।

शोध पद्धति

अनुसंधान डिजाइन

अनुसंधान डिज़ाइन अपने प्रोजेक्ट के घटकों और डिज़ाइन के कुछ घटकों के विकास के बारे में शिक्षक की पसंद है। यह शोधकर्ता को एक तस्वीर प्रदान करता है कि हाथ में लिया गया कार्य क्या और कैसे करना है। समय-समय पर यह निर्धारित किया गया है कि एक उपयुक्त शोध डिज़ाइन अप्रासंगिक डेटा के संग्रह से बचाव करता है।

अध्ययन की विधि

अध्ययन का सैद्धांतिक आधार और प्रकृति, अध्ययन का उद्देश्य और परिकल्पनाएं और शोधकर्ता के लिए उपलब्ध संसाधन अनुसंधान पद्धति की पसंद को निर्धारित करते हैं।

नमूना और नमूनाकरण तकनीक

नमूने में 615 माध्यमिक छात्र शामिल थे जो 15 माध्यमिक विद्यालयों (12 निजी स्कूलों और 3 सरकारी स्कूलों) से लिए गए थे। वर्तमान अध्ययन के प्रतिभागियों के रूप में केवल दसवीं कक्षा के छात्रों को चुना गया था। प्रतिभागियों में 14 से 17 वर्ष की आयु के 317 पुरुष और 298 महिला छात्र थे।

विश्लेषण

सामान्यता का परीक्षण

वर्तमान अध्ययन में, कई पैरामीट्रिक परीक्षण जैसे टी-टेस्ट, एफ-टेस्ट, रिग्रेशन विश्लेषण और उत्पाद क्षण सहसंबंध 'आर' जैसे वर्णनात्मक आंकड़े का उपयोग किया गया है। इसलिए, डेटा विश्लेषण के संबंध में सबसे पहले सामान्यता का परीक्षण अर्थात् सामान्यता का शापिरो-विल्क परीक्षण सभी डेटासेट के सामान्य वितरण की जांच के लिए लागू किया गया था।

तालिका 1: अध्ययन चर के लिए सामान्यता का शापिरो-विल्क परीक्षण

चर शापिरो-विल्क			
सीजीपीए	**सांख्यिकीय**	**डीएफ**	**सिग.**
	.989	615	.000
पीपीआईएस	.984	615	.000
ईपीआईएस	.994	615	.017
एएससीएस	.992	615	.003

तालिका 1 से पता चलता है कि शापिरो-विल्क परीक्षण के मान सभी डेटा सेटों यानी पीपीआईएस, ईपीआईएस, सीजीपीए, एएससीएस के लिए महत्वपूर्ण थे, इसका मतलब है कि सभी डेटा सेट सामान्य रूप से वितरित किए गए थे। डेटा की प्रकृति और वितरण को दिखाने के लिए, यह भी है

आउटलेर्स का परीक्षण

परिकल्पनाओं का परीक्षण करने के लिए डेटा विश्लेषण करने से पहले, सभी चार डेटा सेटों यानी पीपीआईएस, ईपीआईएस, सीजीपीए और एएससीएस के लिए आउटलेर्स का परीक्षण किया गया था। यह पाया गया कि किसी भी डेटा सेट में कोई महत्वपूर्ण आउटलेर नहीं हैं। एक बॉक्स प्लॉट आउटलेर्स के बारे में वितरण जानकारी प्रदर्शित करता है। सभी बॉक्स प्लॉटों में मूंछों के बाहर

कोई डेटा बिंदु नहीं पाया गया, जिसका अर्थ है कि किसी भी डेटा सेट में कोई बाहरी वस्तु नहीं थी।

सांख्यिकीय नमूने के वर्णनात्मक परिणाम

डेटा की प्रकृति को समझने और अध्ययन नमूने का वर्णन करने के लिए, माता-पिता की भागीदारी स्केल (पीपीआईएस), माता-पिता की भागीदारी स्केल की अपेक्षा (ईपीआईएस), अकादमिक स्व-अवधारणा स्केल (एएससीएस) और अकादमिक की धारणा से प्राप्त डेटा के बारे में वर्णनात्मक आंकड़े प्रदर्शन (सीजीपीए) तालिका 2 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 2: अध्ययन के चरों के लिए वर्णनात्मक आँकड़े

वर्णनात्मक आँकड़े	पीपीआईएस	ईपीआईएस	एएससीएस	सीजीपीए
वैध	615	615	615	615
एन				
गुम	0	0	0	0
अर्थ	123.30	113.13	211.09	7.72
मंझला	125.00	113.00	212.00	7.800
तरीका	132	107	222	8.20
एसटीडी. विचलन	13.596	11.079	19.108	1.04787
तिरछापन	-.361	-.125	-.159	.006
एसटीडी. तिरछापन की त्रुटि	.099	.099	.099	.099
कुकुदता	-.270	-.303	-.462	-.600
एसटीडी. कर्टोसिस की त्रुटि	.197	.197	.197	.197
श्रेणी	62	55	94	4.90
जोड़	75827	69573	129819	4745.22

उद्देश्य 1.1 माता-पिता की भागीदारी के बारे में माध्यमिक छात्रों की धारणा का अध्ययन करना।

माध्यमिक छात्रों की माता-पिता की भागीदारी की धारणा को माध्यमिक छात्रों से प्राप्त माता-पिता की भागीदारी स्केल (पीपीआईएस) की धारणा पर कुल अंकों के औसत के रूप में मापा गया था।

तालिका 3: माता-पिता की भागीदारी के बारे में माध्यमिक छात्रों की धारणा को दर्शाने वाले वर्णनात्मक आँकड़े

1	एन	अर्थ	एसडी	अर्थ (%)
छात्र	615	123.30	13.60	79.55

तालिका 3 से पता चलता है कि माता-पिता की भागीदारी स्केल (पीपीआईएस) की धारणा पर माध्यमिक छात्रों का औसत स्कोर 123.30 (एसडी 19.11) था और यह औसत स्कोर पीपीआईएस पर कुल स्कोर का 79.55% था। इसलिए यह निष्कर्ष निकाला गया है कि माध्यमिक छात्र माता-पिता की भागीदारी के बारे में उच्च धारणा रखते हैं।

माता-पिता की भागीदारी के विभिन्न आयामों पर छात्रों की धारणा

माता-पिता की भागीदारी के विभिन्न आयामों पर माध्यमिक छात्रों की धारणा को माता-पिता की भागीदारी की धारणा के विभिन्न आयामों यानी शैक्षणिक, प्रेरक, भावनात्मक और वित्तीय पर अलग-अलग छात्रों के औसत स्कोर के आधार पर मापा गया था। प्रत्येक आयाम का प्रतिशत स्कोर किसी विशेष आयाम की धारणा की डिग्री को दर्शाता है।

तालिका 4: विभिन्न आयामों पर माता-पिता की भागीदारी के बारे में माध्यमिक छात्रों की धारणा को दर्शाने वाले वर्णनात्मक आँकड़े

पीपी आई के आयाम	अर्थ	एसडी	अर्थ (%)
अकादमिक	36.57	5.23	81.27
प्रेरक	30.81	4.11	77.02
भावनात्मक	27.73	4.39	79.23
वित्तीय	28.18	4.01	80.51

तालिका 4 से पता चलता है कि माता-पिता की भागीदारी की धारणा के प्रत्येक आयाम पर माध्यमिक छात्रों के औसत का प्रतिशत 75% से अधिक था। इसका मतलब है कि माध्यमिक छात्र माता-पिता की भागीदारी के प्रत्येक आयाम अर्थात् शैक्षणिक, प्रेरक, भावनात्मक और वित्तीय पर उच्च धारणा रखते हैं। इसके अलावा, यह भी निष्कर्ष निकाला गया है कि माध्यमिक छात्र बाकी तीन आयामों की तुलना में माता-पिता की शैक्षणिक भागीदारी के बारे में अधिक धारणा रखते हैं। दूसरी ओर, माध्यमिक छात्रों में बाकी तीन आयामों की तुलना में माता-पिता की प्रेरक भागीदारी की धारणा कम होती है।

उद्देश्य 1.2 माता-पिता की भागीदारी के बारे में लड़कों और लड़कियों की धारणा की तुलना करना।

माता-पिता की भागीदारी के बारे में लड़कों और लड़कियों की धारणा की तुलना करने के लिए, पीपीआईएस पर लड़कों के स्कोर और लड़कियों के स्कोर की गणना की गई। इसके अलावा, साधनों के बीच अंतर के महत्व की जांच करने के लिए, टी-वैल्यू की भी गणना की गई।

तालिका 5: माता-पिता की भागीदारी के बारे में लड़कों और लड़कियों की धारणा की तुलना दिखाने वाले साधन, मानक विचलन और टी-टेस्ट

लिंग	एन	अर्थ	एसडी	मीन डिफ.	डीएफ	टी मूल्य	सिग.
लड़के	317	120.87	12.55				
				5.00	613	4.63	.000
लड़कियाँ	298	125.87	14.20				

तालिका 5 से पता चलता है कि 613 डीएफ पर; और महत्व का 0.05 स्तर, परिकलित टी-मूल्य (टी = 4.63, पी<.05) पीपीआईएस पर लड़कों के स्कोर और लड़कियों के स्कोर के बीच अंतर के लिए महत्वपूर्ण था, इसलिए, संबंधित शून्य परिकल्पना को खारिज कर दिया गया था। पीपीआईएस पर लड़कियों का औसत (एम = 125.87) लड़कों के औसत (एम = 120.87) से अधिक था। इसलिए, यह निष्कर्ष निकाला गया है कि माध्यमिक विद्यालय स्तर पर लड़कों की तुलना में लड़कियों में माता-पिता की भागीदारी के बारे में काफी अधिक धारणा होती है।

अपेक्षित परिणाम

शिक्षा मनुष्य में पहले से ही जो कुछ भरा हुआ है उसे प्रकट करने की प्रक्रिया है। बेहतर शिक्षा मानव ज्ञान और जीवन की गुणवत्ता को सशक्त बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह किसी राष्ट्र के राष्ट्रीय कल्याण, विकास, समृद्धि और उत्थान के लिए आधार प्रदान करता है। शिक्षा मानव संसाधन का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। इसलिए प्रत्येक समाज व्यक्तिगत प्रतिभा का समुचित

उपयोग करना चाहता है। इस व्यस्त, प्रतिस्पर्धी और जटिल दुनिया में छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन शोधकर्ताओं के लिए कच्चे माल में विविधता और जीवंतता प्रदान करता है। माता-पिता, शिक्षक और प्रशासक अपनी व्यक्तिगत जरूरतों की संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए छात्रों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए नए और अभिनव तरीकों और रुझानों की तलाश करने का प्रयास करते हैं। माता-पिता और शिक्षकों का दृष्टिकोण महत्वपूर्ण कारक हैं जो छात्रों के स्कूल के प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं। अपने बच्चों के सर्वांगीण विकास में माता-पिता की भागीदारी में गिरावट के कारणों का विश्लेषण करने के लिए विभिन्न शोध किए गए हैं। किशोरों में माता-पिता की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वे मिडिल और हाई स्कूल में प्रवेश कर रहे हैं, यह दोधारी तलवार है।

संदर्भ

1. कांग, वाई, मूर जे.। मुख्य भूमि चीन में पालन-पोषण की शैली और किशोरों का स्कूल प्रदर्शन। यूएस-चीन शिक्षा समीक्षा. 2011;1:133-138.
2. बेशारत, एमए, अज़ीज़ी के, पौर्शरीफ़ी एच. ईरानी परिवारों के एक नमूने में पालन-पोषण की शैली और बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध। प्रोसीडिया सामाजिक और व्यवहार विज्ञान. 2011;15:1280-1283.
3. माटेजेविक एम, जोवानोविक डी, जोवानोविक एम. पालन-पोषण की शैली, स्कूल की गतिविधियों में माता-पिता की भागीदारी और किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि। प्रोसीडिया - सामाजिक और व्यवहार विज्ञान. 2014;128:288-293.
4. यास्मीन एस, कियानी ए, चौधरी एजी. छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के पूर्वसूचक के रूप में पालन-पोषण की शैलियाँ। तकनीकी अनुसंधान और अनुप्रयोग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 2014;2(6):28-31.
5. न्यारको के. किशोरों की शैक्षणिक उपलब्धि पर आधिकारिक पालन-पोषण शैली का प्रभाव। अमेरिकन जर्नल ऑफ सोशल एंड मैनेजमेंट साइंसेज. 2011;2(3):278-282.
6. लैम, ब्रायन, डुक्रेक्स, ऐलेना. मिडिल स्कूल के छात्रों के बीच माता-पिता का प्रभाव और शैक्षणिक उपलब्धि: माता-पिता का परिप्रेक्ष्य। सामाजिक परिवेश में मानव व्यवहार का जर्नल. 2013;23:579-590. 10.1080/10911359.2013.765823.
7. सैमुअल, मर्सी, चांग्वोनी, दीना। नैरोबी काउंटी-केन्या में सार्वजनिक माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों के व्यवहार पर पालन-पोषण शैलियों का प्रभाव। आईआरए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज. 2019;15:24. 10.21013/jems.v15.n1.p3.
8. सिटनिक-वार्चुल्स्का, कटारज़ीना और इज़ीडोर्ज़िक, बर्नाडेटा और मार्केविच, इना और बाउम्बाच, क्लेमेंस और मैसाक, यारेमा और बुकज़िलोव्स्का, डोरोटा और स्ज़वेड, मार्सिन और लिपोव्स्का, माल्गोरज़ाटा। 2024. परिवार और पड़ोस के संदर्भ में युवा किशोरों के बीच व्यवहार संबंधी समस्याएं: एक केस नियंत्रण अध्ययन। 10.21203/rs.3.rs-3927506/v1.
9. अशफाक, मुहम्मद शहजाद। ग्रामीण क्षेत्रों में अपने बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करने में माता-पिता को आने वाली समस्याएँ.. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च. 2018;6:1257-1284. 10.21474/ijar01/7484.]
10. अली, एन. और मुख्तार, एस. और खान, वाई. और अहमद, एम. और खान, जेड. माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन और घर पर बच्चों की शिक्षा में माता-पिता की भागीदारी का विश्लेषण। शिक्षा और विज्ञान पत्रिका. 2022;24:118-142. 10.17853/1994-5639-2022-9-118-142।

Creative Commons (CC) License
This article is an open access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.